नर सेवा ॐ नारायण सेवा

स्वामी विवेकानन्द हेल्थ मिशन सोसाइटी उत्तराखण्ड

मासिक वृतांत

जनवरी 2021 | संस्करण - 2 | अंक - 1

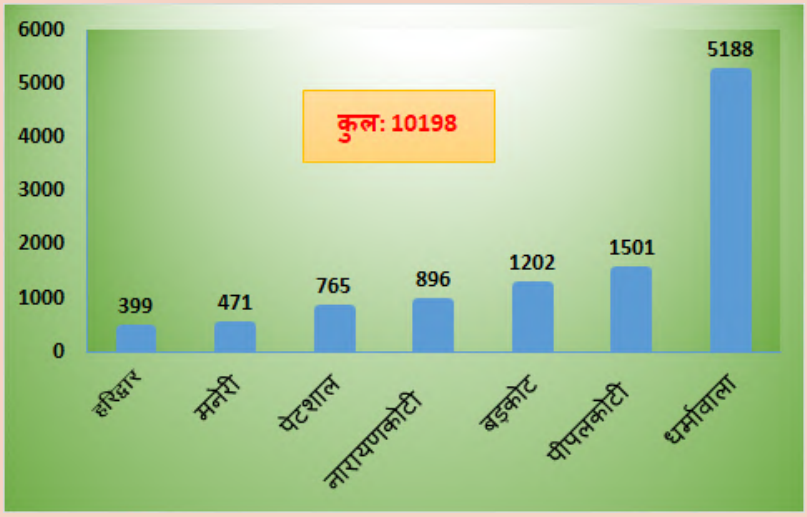

रोगियों का विवरण

जाँचें एवं इमरजेंसी

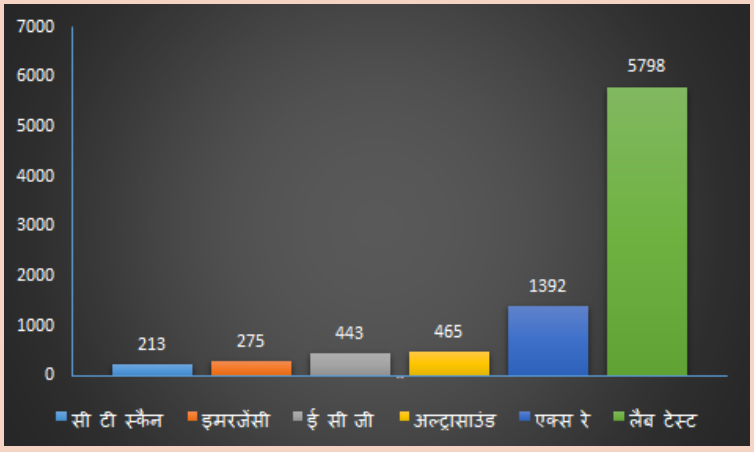

सी टी स्कैन और अल्ट्रासाउंड की सुविधा केवल धर्मावाला चिकित्सालय में उपलब्ध है।

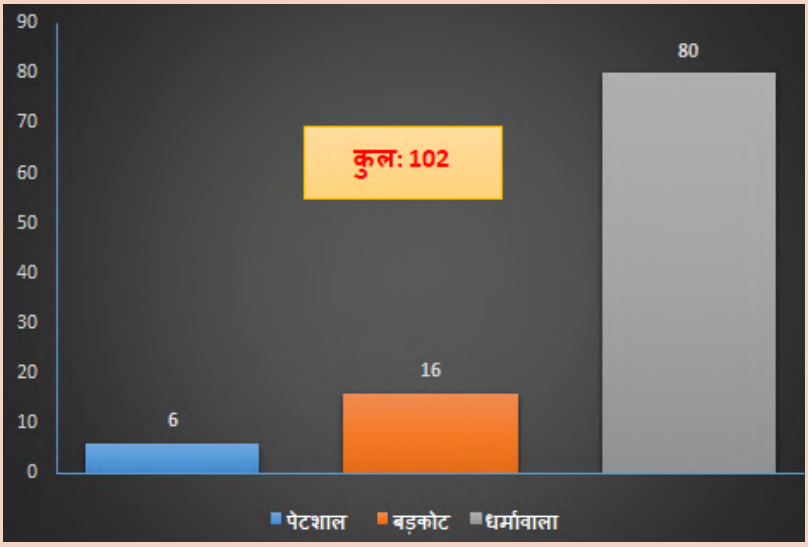

सर्जरी

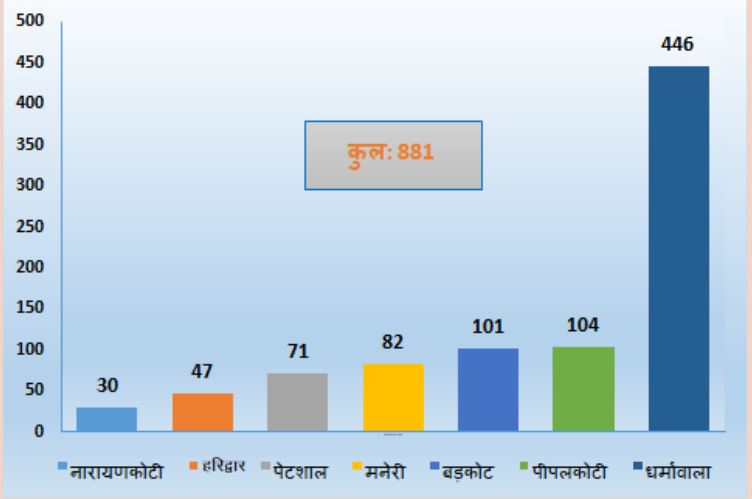

दन्त चिकित्सा

नोट: हरिद्वार का विवरण *24* से *31* जनवरी तक का है।

उद्घाटन समारोह: स्वामी रामप्रकाश धर्मार्थ चिकित्सालय, हरिद्वार

24-01-2021

उत्तराखण्ड के माननीय मुख्यमंत्री की उपस्थिति एवं
माइक्रोटेक के सीईओ श्री सुबोध गुप्ता और
उनकी धर्मपत्नि श्रीमती अनीता गुप्ता द्वारा हवन

स्वामी विवेकानन्द की प्रतिमा

पवित्र नगरी हरिद्वार के संतों, तीर्थयात्रियों, भक्तों और जरूरतमंदों की लंबे समय से चली आ रही एक धर्मार्थ चिकित्सालय की आकांक्षाओं को पूरा करते हुए, 24 जनवरी 2021 को वैदिक मंत्रोच्चार और हवन के साथ नौवें चिकित्सालय का उद्घाटन किया गया। यह चिकित्सालय 30-बेड की सुविधा वाला है एवं नवीनतम और आधुनिक चिकित्सा उपकरणों से सुसज्जित है। यह चिकित्सालय संतों और आर्थिक रूप से गरीब लोगों को पूरी तरह से निःशुल्क चिकित्सा सेवा प्रदान करेगा और इसमें नेत्र रोगियों के लिए एक अलग से समर्पित विभाग भी है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सेवा भावना से प्रेरित होकर, देश भर के सैकड़ों डॉक्टरों और अन्य स्वयं सेवकों ने 11 मार्च 2021 से शुरू होने वाले शुभ "कुंभ मेले" से पहले इस स्वास्थ्य पहल को वास्तविकता बनाने के लिए निःस्वार्थ और अथक प्रयास किया है कुंभ मेला, जिसमें की लगभग प्रतिदिन 1.25 लाख श्रद्धालुओं के आने की सम्भावना है, अगर किसी भी भक्त/तीर्थयात्री को चिकित्सा देखभाल और सेवाओं की आवश्यकता होती है तो इनके उपचार के लिए 'स्वामी रामप्रकाश धर्मार्थ चिकित्सालय' तत्पर सेवारत रहेगा।

इस शुभ अवसर पर स्वामी विवेकानन्द की एक विशाल प्रतिमा का भी अनावरण किया गया। इसके पश्चात आयोजित कार्यक्रम में देशभर के संत समाज की महान विभूतियों ने अपने आशीर्वचन दिए और आरोग्य की दिशा में कार्यरत स्वामी विवेकानन्द हेल्थ मिशन की महत्वता पर बल दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जूनापीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि जी महाराज ने की। विशिष्ट अतिथियों के रूप में महामंडलेश्वर स्वामी विश्वेश्वरानंद गिरि जी महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी वियोगानन्द सरस्वती जी महाराज, संत प्रवर श्री विजय कौशल जी महाराज, योग-ऋषि स्वामी रामदेव जी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ कृष्णगोपाल जी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय ग्राम विकास प्रमुख डॉ दिनेश जी, विश्व हिंदू परिषद के संरक्षक श्री दिनेश जी, अवधूत मंडल आश्रम के अध्यक्ष स्वामी रूपेंद्र प्रकाश जी और स्वामी विवेकानन्द हेल्थ मिशन सोसायटी के अध्यक्ष डॉ एस के वर्मा समेत कई गणमान्य हस्तियाँ उपस्थित रहीं।

उत्तराखण्ड के माननीय मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत जी ने भी हवन के दौरान अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। हमेशा की तरह हंस फाउंडेशन की संस्थापक पूजनीय माता मंगला जी और भोले जी महाराज का आशीर्वाद भी मिशन के इस प्रकल्प के साथ रहा।

कार्यक्रम के दौरान रामकथा वाचक और संत स्वामी विजय कौशल जी महाराज ने वृंदावन में 25 एकड़ में फैले अपने आश्रम प्रांगण को स्वामी विवेकानन्द हेल्थ मिशन को दान में देने का एलान किया ताकि वहां साधु-संन्यासियों और गरीब वर्ग की आरोग्य सुविधा के लिए मिशन नया चिकित्सालय स्थापित कर सके। मिशन में शामिल डॉक्टरों ने पूरी निष्ठा, समर्पण और उत्साह से मथुरा-वृंदावन के लोगों की सेवा के लिए इस काम को हाथ में लेने का फैसला किया है एवं वर्ष के अंत तक इस चिकित्सालय के शुरू करने की संभावना है।

स्वामी अवधेशानंद गिरि जी महाराज,
स्वामी रूपेंद्र प्रकाश जी एवं
स्वामी रामदेव जी सभा को संबोधित करते हुए

डॉ. कृष्णगोपाल जी
(आर.एस.एस सह सर कार्यवाह) अपने विचार रखते हुए

डॉ. अनुज सिंघल (सोसाइटी के सचिव)
सभा को संबोधित करते हुए

संतों द्वारा चिकित्सालय का भ्रमण

स्वामी विवेकानन्द हेल्थ मिशन 14 मई 2021 को गंगोत्री धाम में अपना दसवां चिकित्सालय जनसाधारण को समर्पित करने जा रहा है। तत्पश्चात यमुनोत्री धाम में चिकित्सालय की स्थापना का कार्य प्रगतिशील हो जाएगा।

मिशन का संकल्प देश के सभी धार्मिक स्थलों में ऐसे निःशुल्क चिकित्सालयों को स्थापित करने का है ताकि तीर्थयात्रियों, साधु-सन्यासियों और गरीब वर्ग के लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए अन्यत्र न भटकना पड़े।

उत्कृष्ट उदाहरण

बड़कोट - आपातकालीन सेवाएँ

गहन चिकित्सा कक्ष में रोगी

14-01-2021

- 2 महीने की अवधि के भीतर दिल का दौरा पड़ने के कारण एक और संभावित मौत को बचाया गया।
- 14 जनवरी की सुबह 7:30 बजे, छाती में तेज दर्द की शिकायत के साथ 55 साल का एक रोगी चिकित्सालय पहुँचा, जिसका तुरन्त ई.सी.जी किया गया और तत्पश्चात जीवन रक्षक दवाइयाँ देते हुए थ्रोम्बोलाइज किया गया।
- रोगी को आगे के इलाज के लिए देहरादून के हिमालयन चिकित्सालय (जॉली ग्रांट) में भेज दिया गया।

धर्मावाला - दन्त चिकित्सा विभाग

इम्प्लांट सर्जरी एक्स रे एवं इम्प्लांट की प्रक्रिया

13-01-2021

- 43 वर्षीय पुरुष रोगी की एडवांस इम्प्लांट सर्जरी, डॉ. निमिष गुप्ता (ओरल डेंटल सर्जन) और डॉ. हरीश (डेंटल सर्जन) की टीम द्वारा सफलतापूर्वक की गई।
- प्रक्रिया महंगी होने के बावजूद भी उचित लागत पर की गई।
- रोगी इलाज की प्रक्रिया से संतुष्ट और खुश होकर घर लौटा।

पेटशाल

छह सफलतापूर्वक सर्जरी

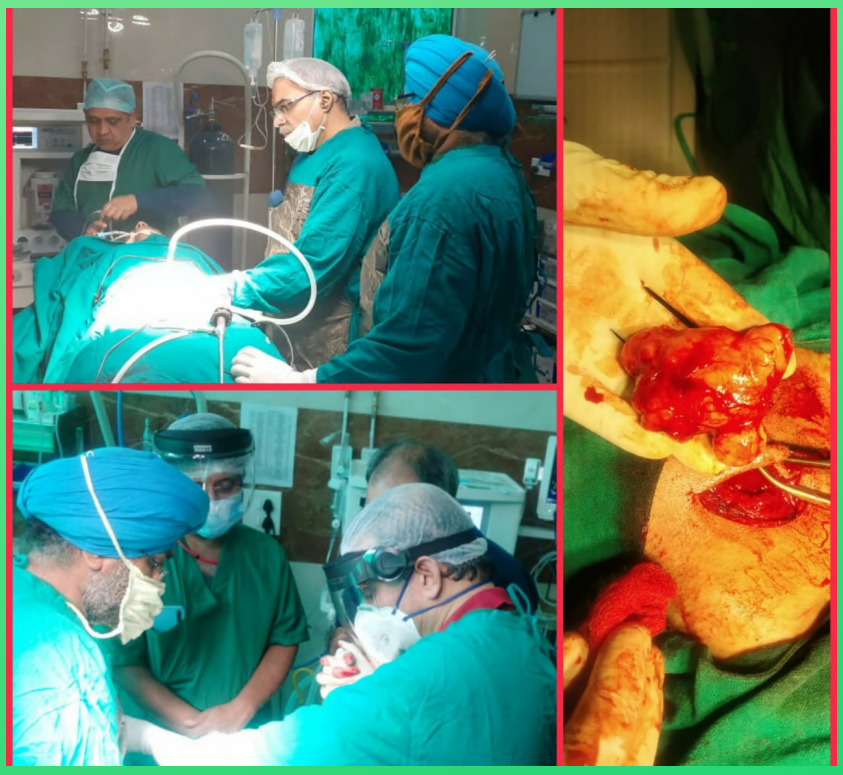

सर्जरी की कुछ तसवीरें

- खराब मौसम और बहुत ठण्ड होने के बावजूद भी डॉ अजय अग्रवाल (सर्जन) और डॉ अतुल जोशी (एनेस्थेटिस्ट) की टीम ने रुद्रपुर से सुबह-सुबह पहुँच कर छह सफल सर्जरी करी।
- सर्जरी में 3 कोलेसिस्टेक्टोमी और 3 अन्य माइनर सर्जरी की प्रक्रियाएं शामिल रहीं।
- इसके अलावा दूर दराज से आए मरीजों को परामर्श एवं जरूरत के अनुसार सर्जरी की अगली तारीख भी दी गयी।
- इस धर्मार्थ चिकित्सालय में अब हर रविवार तीन से चार सर्जरी कि जा रही है, इन सर्जरी का खर्चा जो की अन्य जगहों पर हजारों में होता है, यहाँ बहुत ही कम खर्च में हो जाता है। इसलिए दूर से आए मरीजों के लिए यह चिकित्सालय एक वरदान साबित हो रहा है।

उत्कृष्ट उदाहरण: आयुर्वेद

घुटने की गठिया के लिए
पष्टी शाली पिण्ड स्वेदन प्रक्रिया

रोगी पंचकर्म चिकित्सा लेते हुए

डिस्टल मायोपेथी के लिए ग्रीवा बस्ति प्रक्रिया

ग्रेड 1 एंटेरोलिस्थेसिस युक्त बाईलेटरल फैसिटिद आर्थोपैथी से पीड़ित रोगी को पंचकर्म चिकित्सा द्वारा ठीक किया गया।

एक 45 वर्षीय स्त्री रोगी निम्न शिकायतों के साथ हमारे औषधि विभाग में पहुँची: गर्दन में दर्द, गर्दन हिलाने में तकलीफ, दोनों भुजाएँ चलाने में दर्द हो रहा था, लेटने और उठने में दर्द, बगल मोड़ने में तेज दर्द होता था एवं बिना सहायता के बैठने में असमर्थ थी। 5 दिन की पंचकर्म चिकित्सा और 8 दिन की औषिधीय चिकित्सा के बाद रोगी को लेटते हुए स्थिति से बाईं तरफ मुड़ने में दर्द की कमी और सहायता के बिना बैठने में सुधार पाया गया। गर्दन भी आगे और पीछे आसानी से मुड़ रही थी एवं दोनों बाजुओं के चलन में भी सुधार पाया गया।

पंचकर्म चिकित्सा पद्धति द्वारा विविध बिमारियों से ग्रस्त रोगियों को लाभ मिला, जिनमें से कुछ उदाहरण नीचे दिए गए हैं:

1. फोकल ट्रेमर
2. माइग्रेन
3. डिस्टल मायोपैथी
4. घुटने की आर्थराइटिस
5. पुराना कमर का दर्द

रोगी अध्ययन - डिस्टल मायोपैथी

एक 21 साल के पुरुष रोगी को मुख्य शिकायत के साथ आयुर्वेद पंचकर्म चिकित्सा के लिए भेजा गया था: लगभग 7-8 महीनों से दाहिने हाथ की कमजोरी, जिसकी शुरुआत धीरे-धीरे हुई और बढ़ती गयी (प्रगतिशील कमजोरी)।

निदान: डिस्टल मायोपैथी (मासपेशियों की दुर्बलता), यह रोग धीरे-धीरे बढ़ने वाला एक असामन्य जेनेटिक डिसऑर्डर है जिसमें शरीर की डिस्टल मासपेशिओं में वेस्टिंग एवं दुर्बलता होती है।

अंतिम निदान: इसके लिए मॉलिक्यूलर जाँच की जरूरत होती है, जो रोगी की आर्थिक क्षमता से बाहर थी।

चिकित्सा पद्धति:

- औषधि तेल से मालिश। चिकित्सालय में बाह्य रोगी स्तर पर एक सप्ताह के लिए एवं उसके उपरांत रोगी के घर पर एक सप्ताह मालिश।
- भाप, स्नान एक सप्ताह चिकित्सालय में और फिर एक सप्ताह घर पर किया गया एवं
- दवाइयाँ - जो अभी चल रही हैं।
- जैसे की चित्रों में दिखाया गया है 15 दिन की चिकित्सा के बाद, हाथों के तलवे की पेशियाँ की कमजोरी में सुधार है और जिन उँगलियों में जड़ता थी उसमें भी सुधार पाया गया है।
- 3 सप्ताह के बाद और सुधार पाया गया है।
- रोगी भी कह रहा था की उसके दाहिने हाथ में चीजों को पकड़ने की ताकत आ गयी है।
- चिकित्सा अभी जारी है।

BT - 15th जनवरी

DT - 1st फरवरी

DT - 8th फरवरी

BT: चिकित्सा से पहले
DT: चिकित्सा के दौरान

पीपलकोटी

त्वचा रोग का शिविर

शिविर आरम्भ होने से पहले की प्रार्थना

डॉ. पवन कुमार (त्वचा विशेषज्ञ) को सम्मानित करते हुए

क्रायोसर्जरी की प्रक्रिया

30-01-2021

- शिविर के दौरान, डॉ. पवन कुमार MD (त्वचा रोग विशेषज्ञ) द्वारा नि:शुल्क सेवा दी गई।
- त्वचा से संबंधित सभी प्रकार की समस्याओं के लिए नि:शुल्क परामर्श, उपचार एवं दवाइयाँ वितरित की गयी।
- शिविर में कुल 103 रोगियों ने लाभ लिया, जिनमें से कुछ लाभार्थी सेवाओं का लाभ उठाने के लिए लगभग 30 कि. मी. तक की यात्रा तय करके चिकित्सालय पहुँचे।

चिकित्सालय की तीसरी वर्षगाँठ का उत्सव

मुख्य अतिथियों द्वारा भाषण

दर्शकगण

21-01-2021

धूमधाम से मनायी गयी तीसरी वर्षगांठ:-

- चिकित्सालय के तीन वर्ष पूर्ण होने के शुभ अवसर पर चिकित्सालय परिवार के सदस्यों के अलावा क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों और जनता ने भी इस उत्सव में बढ़-चढ़ कर भाग लिया।
- इस अवसर पर कार्यक्रम का शुभारंभ विभाग प्रचारक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ श्रीमान चिरंजीवी जी, नगर पंचायत अध्यक्ष श्री रमेश बण्डवाल जी, बण्ड संगठन के अध्यक्ष श्री शम्भू प्रसाद सती जी एवं अतुल शाह जी ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया
- चिकित्सालय के पालक श्री अतुल शाह जी ने तीन सालों की उपलब्धियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रस्तुत करी।

पेटशाल

सामुदायिक चिकित्सा शिविर

शिविर के दौरान डॉक्टर रोगी की जाँच करते हुए

रोगी पंजीकरण कराते हुए

17-01-2021

- खेती नामक दूरस्थ गाँव में एक सफलतापूर्वक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया।
- यह गाँव जिला अल्मोड़ा के पेटशाल चिकित्सालय से लगभग 85 कि.मी. की दूरी पर स्थित है।
- कुल लाभार्थियों की संख्या: 56

गणतंत्र दिवस समारोह

नारायणकोटी

पीपलकोटी

हरिद्वार

26-01-2021

- सभी चिकित्सालयों में 72वां गणतंत्र दिवस अत्यंत हर्ष और गर्व के साथ मनाया गया।
- राष्ट्रीय ध्वज फहराने और राष्ट्रगान के गायन से कार्यक्रम आगे बढ़ा।
- बहादुर सैनिकों के सम्मान में स्टाफ सदस्यों द्वारा देशभक्ति गीत और कविताएं प्रस्तुत की गयी।
- मिठाई वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।